रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 290 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

अमर शहीद आशीष शर्मा की शहादत पर पूरे प्रदेश को गर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद आशीष शर्मा को दी श्रद्धांजलि

रणजीत टाइम्स

इंदौर, निप्र। नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को उनके गृह ग्राम बोहानी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को शहीद आशीष शर्मा की अंत्येष्टि कार्यक्रम में पहुंचे और शहीद की पार्थिक देह पर पुष्प-चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने पार्थिक देह को कांधा भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंस्पेक्टर आशीष शर्मा ने नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि आशीष शर्मा की शहादत पर प्रदेश को गर्व है।

शहीद के छोटे भाई को सब-इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। साथ ही, बोहानी गांव में शहीद आशीष शर्मा के नाम से एक पार्क और स्टेडियम भी विकसित किया जाएगा। इससे भावी पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा मिलती रहे और उनकी स्मृति अक्षुण्ण बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहीद आशीष शर्मा के छोटे भाई को शासकीय नियमों में शिथिलता बरतते हुए सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय परिवार को सम्बल देने और शहीद के अदम्य साहस को सदैव याद रखने और आमजन में राष्ट्रप्रेम के लिए प्रेरित करने के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है।

हैंड ग्रेनेड और हथियारों का जखीरा मिला

लुधियाना में आतंकियों का एनकाउंटर

लुधियाना, एजेंसी

हैंड ग्रेनेड के साथ बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में जा रहे दो आतंकियों के साथ कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना की वीरवार की देर शाम को मुठभेड़ हो गई।

लाडोवाल के पास उस समय मुठभेड़ हुई जब पुलिस की एक टीम गश्त कर रही थी तो दो आतंकी वहां से गुजर रहे थे। शक होने पर उन्हें रोकना चाहा तो आरोपी भाग निकले। पुलिस टीम ने पीछा किया तो उन्होंने पुलिस पार्टी पर गोली चला दी। इसके बाद मुलाजिमों ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। तुरंत ही पुलिस की कई टीमें वहां पहुंच गई। पुलिस ने दोनों आतंकियों को घेर लिया। क्रास फायरिंग में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को काबू किया और अस्पताल पहुंचाया।

आतंकवादियों को हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया

पुलिस की गोली से घायल हुए आतंकियों के कब्जे से पुलिस नेदो हैंड ग्रेनेड, चार पिस्तौल और पचास से अधिक कारतूस बरामद किए है। आतंकियों से बरामद हथियार से आशंका है कि दोनों किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा खुद घटना स्थल पर पहुंचे हैं। उन्होंने तुरंत सारी जानकारी ली लेकर चंडीगढ़ पहुंचाई। बताया जा रहा है कि हरियाणा और बिहार की पुलिस ने एक दिन पहले ही आतंकवादियों को हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया था। उसके बाद कमिश्नरेट पुलिस को कुछ इनपुट्स मिले थे।

अदालत बिल मंजूरी की टाइमलाइन तय नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के उस संदर्भ पर अपना फैसला सुनाया है, जिसमें पूछा गया था कि क्या कोई सांविधानिक अदालत, राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा तय कर सकती है। इस मामले में सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक दलीलें सुनीं और 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति और राज्यपाल को राज्य विधानसभा से पारित विधेयकों पर अनुमोदन देने के लिए न्यायपालिका कोई समयसीमा तय नहीं कर सकती। संविधान पीठ ने राष्ट्रपति की तरफ से अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए 14 संवैधानिक प्रश्नों पर अपनी राय देते हुए कहा कि यह विषय संवैधानिक पदाधिकारियों के विवेक और संघीय ढांचे की मर्यादा से जुड़ा है। अदालत ने माना कि विधायी प्रक्रिया में राष्ट्रपति और राज्यपाल की भूमिका 'संवैधानिक कर्तव्य' है, पर न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए इसकी समय सीमा तय नहीं की जा सकती। लेकिन अत्यधिक देरी लोकतांत्रिक शासन की आत्मा को क्षति पहुंचाती है।

दिल्ली दंगा... सुप्रीम कोर्ट में पुलिस बोली

पढ़े-लिखे आतंकी ज्यादा खतरनाक, ये सरकारी पैसों से डॉक्टर और इंजीनियर बनते, फिर दंगे करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जब पढ़े-लिखे आतंकवादी बन जाते हैं तो वे ओवरग्राउंड वर्कर्स से ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों के लिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होना अब एक ट्रेंड बन गया है। ये लोग सरकारी पैसों का इस्तेमाल करके पढ़ाई करते हैं फिर एंटी नेशनल एक्टिविटी में शामिल हो जाते हैं। दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में शरजील इमाम के

भड़काऊ भाषणों के वीडियो पेश किए। वीडियो में शरजील इमाम नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देते हुए दिख रहा है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि इन भाषणों से माहौल बिगड़ा और लोगों को उकसाने का काम हुआ।

दिल्ली दंगे को पूरे भारत में फैलाने की कोशिश की गई थी

दिल्ली दंगे को पूरे भारत में फैलाने की कोशिश की गई थी और इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय ध्यान खींचना था। आरोपियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे के समय ही हिंसा भड़काने की योजना बनाई थी। जिससे कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा जा सके। यह एक गहरी, सुनियोजित और सोची-समझी साजिश थी। दंगों में 53 लोगों की मौत हुई, और सैकड़ों करोड़ों रुपयों की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। जांच के दौरान सबूतों से पता चला है कि दंगों की योजना केवल दिल्ली तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसे देशभर में फैलाने की कोशिश की गई थी।

एनआईए टीम ने जम्मू-कश्मीर से हिरासत में लिया

दिल्ली आतंकी हमले में तीन डॉक्टर समेत चार आरोपी और गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट में शामिल चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या छह हो गई है। पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश के पेशी आदेश पर एनआईए ने चारों आरोपियों को जम्मू और कश्मीर से हिरासत में लिया है। इस सभी को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

एनआईए ने आरोपियों की पहचान पुलवामा (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) निवासी डॉ. शाहीन सईद और शोपियां (जम्मू-कश्मीर) निवासी मुफ्ती इरफान अहमद वागे के रूप में की है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों से एके राइफल के कारतूस, पिस्तौल के राउंड और हैंड ग्रेनेड पिन बरामद की गई।

विजयवर्गीय का रेडिसन चौराहे से बापट चौराहे तक मेट्रो रूट का व्यापक निरीक्षण, लापरवाही पर अधिकारियों को कड़ी फटकार; जल्द सुधार के निर्देश

इंदौर। शहर के तेजी से बढ़ते यातायात दबाव और शहरी विकास की जरूरतों को देखते हुए मेट्रो परियोजना को इंदौर में सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना माना जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय 20 नवंबर की देर शाम शहर के विभिन्न हिस्सों के निरीक्षण के लिए निकले। मंत्री के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आईडीए, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी तथा कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस निरीक्षण दौरे का मुख्य उद्देश्य मेट्रो कार्यों की प्रगति, यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करना था।

मंत्री विजयवर्गीय ने सबसे पहले बापट चौराहा पहुंचकर वहां चल रहे मेट्रो कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद वे रेडिसन चौराहे तक पूरे मेट्रो रूट का जायजा लेते हुए आगे बढ़े। इस दौरान उन्होंने मेट्रो स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की विस्तृत रूप से जांच की। निरीक्षण के दौरान यह देख कर मंत्री नाराज हो गए कि किसी भी स्टेशन पर पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने मेट्रो अधिकारियों को कड़े शब्दों में कहा कि पार्किंग जैसी बुनियादी सुविधा के बिना मेट्रो संचालन को सुचारू रूप से शुरू नहीं किया जा सकता और इस तरह की लापरवाही शहरवासियों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी।

इसके अलावा मंत्री ने यह भी पाया कि शहर के कई प्रमुख चौराहों पर मेट्रो निर्माण के लिए की गई खुदाई के बाद उचित रेस्टोरेशन कार्य नहीं किया गया है। इससे न सिर्फ यातायात बाधित हो रहा है बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ रहा है। इस स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों से कोई समझौता नहीं होगा और देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री विजयवर्गीय ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि शहर में मेट्रो का संचालन जल्द शुरू किया जाना है, इसलिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर और मानकों के अनुसार पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इंदौर की पहचान स्वच्छता, अनुशासन और सुव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था से है, ऐसे में अधूरे या अव्यवस्थित निर्माण कार्य शहर की छवि को प्रभावित नहीं करने दिए जाएंगे।

निरीक्षण के अंत में मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि अगले निरीक्षण तक पार्किंग, रेस्टोरेशन, यात्री सुविधाएं और सुरक्षा से संबंधित सभी कमियों को दूर कर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में वे स्वयं मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों की प्रगति पर लगातार निगरानी रखेंगे, ताकि इंदौर की जनता को समय पर और बेहतर सुविधाओं के साथ मेट्रो सेवा उपलब्ध हो सके।

अमेरिकी रिपोर्ट में चीन-पाकिस्तान की झूठी तारीफ

पहलगाम हमले को बताया- विद्रोही हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे अभी रुके नहीं है। इस बीच एक अमेरिकी रिपोर्ट में नया दावा कर दिया गया है कि मई, 2025 में पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष में पाकिस्तानी सेना को बड़ी कामयाबी हासिल हुई थी।

यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की ओर से जारी इस रिपोर्ट में पाकिस्तान की फर्जी सैन्य जीत की जमकर झूठी तारीफ की गई है। इस रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले को एक विद्रोही हमला करार दिया गया है। 800 पन्नों की इस रिपोर्ट में चीन की भी जमकर तारीफ की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 7-10 मई, 2025 को पाकिस्तान और भारत की सेनाओं के बीच हुए संघर्ष में चीन की भूमिका ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सेना ने चीनी हथियारों पर भरोसा किया और कथित तौर पर चीनी खुफिया जानकारी का लाभ उठाया।

रिपोर्ट में कहा गया है, '26 नागरिकों की जान लेने वाले एक घातक विद्रोही हमले पर भारत की प्रतिक्रिया से शुरू हुए इस संघर्ष के दौरान, दोनों देशों ने 50 वर्षों के समय में एक-दूसरे के क्षेत्रों में अधिक दूर स्थित ठिकानों पर हमला किया।

भारत पर पाकिस्तान की जीता का किया दवा

रिपोर्ट के अनुसार चार दिनों तक चले संघर्ष में भारत पर पाकिस्तान की सैन्य सफलता में चीनी हथियारों की अहम भूमिका रही। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस संघर्ष को 'छद्म युद्ध' कहना चीन की एक भड़काने वाले के रूप में भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर सकता है, लेकिन बीजिंग ने इस संघर्ष का फायदा अपने हथियारों के परीक्षण और प्रचार करने के लिए उठाया। जो भारत के साथ चल रहे सीमा तनाव और उसके बढ़ते रक्षा उद्योग लक्ष्यों के संदर्भ में उपयोगी है।'

कांग्रेस ने रिपार्ट पर पीएम मोदी से मांगा जवाब

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में इस रिपोर्ट को साझा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन ने अभी-अभी अपनी वार्षिक रिपोर्ट अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी है। जयराम रमेश ने इस रिपोर्ट हैरान करने वाला बताते हुए कहा कि इसमें भारत-पाकिस्तान के चार दिन के संघर्ष को भारत के खिलाफ 'पाकिस्तान की सैन्य सफलता' कहा गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अब तक 60 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोक दिया था। प्रधानमंत्री इस बारे में पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब अमेरिकी कांग्रेस के यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी कमीशन की यह रिपोर्ट आई है, जो भारत के लिए एकदम अस्वीकार्य है। क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस पर आपत्ति और विरोध दर्ज कराएंगे? हमारी कूटनीति को एक और गंभीर झटका लगा है।

वाइस एडमिरल वात्सायन बोल

पाकिस्तान को जहाज और पनडुब्बियां दे रहा चीन

नई दिल्ली, एजेंसी

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन ने कहा कि भारतीय नौसेना इस बात से अवगत है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां और जहाज दे रहा है और नौसेना हर गतिविधि की बहुत ध्यान से 'निगरानी' कर रही है, ताकि समुद्री सुरक्षा और देश के हितों की रक्षा की जा सके।

राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना के उप-प्रमुख ने कहा, हमें पता है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां और जहाज दे रहा है। हम हर चीज पर बारीकी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना देश की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने पर काम कर रही है, खासकर पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमता पर।

वाइस एडमिरल वात्सायन ने कहा, हमें पूरी जानकारी है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां दे रहा है और जल्द ही उनकी पनडुब्बियों को शामिल करने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। लेकिन हम भी पूरे क्षेत्र

में हर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। जो कुछ भी हमें करना है और जिसका मुकाबला करना है, हम उसकी तैयारी कर रहे हैं। हमें यह भी पता है कि पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए हमें कैसी क्षमताओं की जरूरत है। वात्सायन ने यह बयान भारतीय नौसेना के 'स्वावलंबन 2025' कार्यक्रम को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। यह कार्यक्रम 25-26 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में होगा। इस बार का आयोजन नई तकनीकों, स्वदेशी समाधान और भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रगति को प्रदर्शित करेगा।

नौसेना लगातार अपनी तैयारी की समीक्षा कर रही

नौसेना के उप-प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना उन तकनीकों और क्षमताओं पर भी नजर रख रही है जो अन्य देश भी दे रहे हैं और इन्हें देखते हुए नौसेना लगातार अपनी तैयारी की समीक्षा करती है और नई चीजों को जोड़ने और खरीदने की योजना बनाती है। चीन की क्षमताओं पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि चीन अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल करने जा रहा है, लेकिन भारतीय नौसेना को भी अगले दो साल में कई नए विमान मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, जहां तक चीन की बात है.. उनके पास तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर आने वाला है। लेकिन जैसा मैंने कहा, हमारे कुछ विमान निर्माणाधीन हैं और अगले दो साल में हमें मिल जाएंगे। हमने जरूरी स्वीकृति पहले ही ले ली है और पिछले पांच साल में कई क्षमताएं हासिल की हैं। इसलिए हमें पूरा भरोसा है कि हम वही कर रहे हैं जो जरूरी है।

महायुति में दरार की अटकलें... शरद पवार की पार्टी बोली-

बीजेपी को अब उनकी जरूरत नहीं, शिंदे को जाग जाना चाहिए

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना और भाजपा के बीच दरार पड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस मामले पर राकांपा (शरद पवार) ने गुरुवार को कहा कि इससे पहले कि शिवसेना प्रमुख को अपमानजनक तरीके से बाहर जाने के लिए कहा जाए, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जाग जाना चाहिए और दीवार पर लिखी इबारत पढ़ लेनी चाहिए। राकांपा (शरद पवार) के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से शिवसेना के नेताओं और पदाधिकारियों को खरीद-फरोख्त के आरोपों पर लगाई गई फटकार सुनियोजित लगती है।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा को अब शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राकांपा शामिल हैं।

बड़ा फैसला: 26 साल पुरानी कंपनी से बाहर निकलने की तैयारी, 2,500 करोड़ की डील शुरू- भारत में विदेशी साझेदारी से हुई थी शुरुआत

नई दिल्ली। अदाणी समूह एक तरफ जहां तेजी से नए कारोबारों में विस्तार कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसने अपने पुराने व्यवसायों में से एक से पूरी तरह बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अदाणी ग्रुप ने एडल्यू एग्री व्यवसाय (जिसे पहले अदाणी विल्मर के नाम से जाना जाता था) में बची हुई हिस्सेदारी बेचने के लिए लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बड़ी डील शुरू की है। सूत्रों के अनुसार अदाणी एंटरप्राइजेज की इकाई अदाणी कमोडिटीज एलएलपी ने एडल्यू एग्री में अपनी शेष 7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए एक विशेष व्यापार प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया गया है कि इस डील में प्रति शेयर न्यूनतम कीमत 275 रुपये तय की गई है। वहीं, एक अन्य सूत्र के अनुसार इस बिक्री प्रक्रिया की जिम्मेदारी एक अंतरराष्ट्रीय निवेश बैंक संभाल रहा है।

हालांकि अदाणी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पहले भी बेची थी हिस्सेदारी

अदाणी समूह के पास पहले एडल्यू एग्री में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसी साल समूह ने अपनी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड की सहायक कंपनी को एक बड़े निजी लेनदेन में बेच दी थी, जिससे समूह को लगभग 4,646 करोड़ रुपये की राशि मिली थी। अब बची हुई 7 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए यह नई डील अदाणी समूह की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह अपने एफएमसीजी कारोबार से पूरी तरह निकलकर बुनियादी ढांचे से जुड़े अपने मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है।

1999 में शुरू हुई थी कंपनी - भारत में विदेशी साझेदारी का बड़ा उदाहरण

अदाणी विल्मर की स्थापना वर्ष 1999 में हुई थी। यह अदाणी एंटरप्राइजेज और सिंगापुर की कंपनी विल्मर इंटरनेशनल का संयुक्त उद्यम था। कंपनी लंबे समय तक भारत में कच्चे पाम तेल की सबसे बड़ी प्रोसेसिंग इकाई और देश में खाद्य तेलों की सबसे बड़ी आयातक के रूप में जानी जाती रही है। अब, अदाणी समूह के इस निर्णय के बाद साफ है कि वह अपने गैर-मूल कारोबारों से पूरी तरह बाहर निकलकर केवल ऊर्जा, बंदरगाह, परिवहन, डेटा सेंटर और हवाई अड्डों जैसे अपने प्रमुख क्षेत्रों पर ही अधिक निवेश करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। अदाणी समूह का यह फैसला आने वाले समय में खाद्य तेल उद्योग और एफएमसीजी क्षेत्र में भी बड़े बदलाव लेकर आ सकता है।

रणजीत अष्टमी 2025: स्वर्ण रथ की भव्य प्रभातफेरी की तैयारियां शुरू

ठेले पर तस्वीर से स्वर्ण रथ तक... 4 पुजारियों संग शुरू हुई प्रभातफेरी अब पहुँची 6 लाख भक्तों तक

इंदौर। शहर के अतिप्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर की महिमा और ऐतिहासिक परंपराएँ किसी परिचय की मोहताज नहीं। वर्षभर विविध धार्मिक आयोजन होते हैं, परंतु रणजीत अष्टमी की स्वर्ण रथ प्रभातफेरी भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है। इस वर्ष प्रभातफेरी 12 दिसंबर को सुबह 5 बजे निकलेगी, जिसके लिए मंदिर प्रशासन ने तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। शहरभर के भक्तों में उत्साह चरम पर है।

4 दिन का भव्य पर्व | 9 से 12 दिसंबर तक कार्यक्रम

दिन कार्यक्रम

9 दिसंबर इंदौर कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण, पर्व का शुभारंभ

10 दिसंबर दीपोत्सव एवं भजन संध्या, 51 हजार दीपों से प्रकाश उत्सव

11 दिसंबर विग्रह प्रतिमा अभिषेक एवं सवा लाख रक्षासूत्र सिद्ध प्रभातफेरी में निःशुल्क वितरण

12 दिसंबर सुबह 5 बजे स्वर्ण रथ पर बाबा रणजीत का नगर भ्रमण

मंदिर परिसर की सजावट इस वर्ष और भव्य होगी—हजारों किलो फूलों से सुसज्जित फूल बंगला इसका मुख्य आकर्षण रहेगा। रामायण प्रसंग व विकास यात्रा दर्शाती झांकियाँ इस वर्ष मंदिर समिति दो विशेष झांकियाँ तैयार कर रही है रामायण के प्रमुख प्रसंगों पर आधारित झांकी मंदिर के विकास और "रणजीत लोक" का दर्शन कराती झांकी साथ ही मंदिर की सामाजिक और सेवा गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

सेवा व्यवस्था और सुरक्षा

पिछले वर्ष प्रभातफेरी में लगभग 6 लाख भक्त शामिल हुए थे। इस वर्ष यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। रथ के चारों ओर पुलिस सुरक्षा घेरा अधिक सीसीटीवी कैमरे ढाई हजार सदस्यीय सेवा दल अनेक भजन मंडलियों और पथकों का प्रदर्शन जल्द ही जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय बैठक भी होगी।

प्रभातफेरी का सफर तस्वीर से स्वर्ण रथ तक

मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास के अनुसार, शुरुआत में प्रभातफेरी सिर्फ तस्वीर और चार भक्तों के साथ निकाली जाती थी। पहले हाथठेले पर तस्वीर2008 में 100–150 भक्त- 2012 में किराए की बग्घी और बैंड संख्या 400 के करीब- 2015 में स्वर्ण रथ की शुरुआत — वर्ष-दर-वर्ष हुई भव्यता में अभूतपूर्व वृद्धि

आज यह प्रभातफेरी मध्य भारत के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में एक बन चुकी है। भक्तिभाव और परंपरा का उत्सव चारों दिन मंदिर भक्ति, सेवा, श्रृंगार और आयोजन से सुसज्जित रहेगा। सिंहनाद, भजन, दीयों की ज्योति, पुष्प साज-सज्जा और लाखों भक्तों का सैलाब रणजीत अष्टमी इंदौर के आध्यात्मिक कैलेंडर का महोत्सव बन चुका है

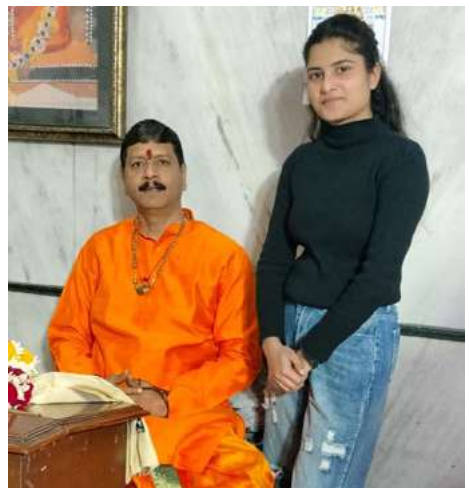

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह का आयोजन बसंत पंचमी 23 जनवरी को

इंदौर वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के अंतर्गत 23 जनवरी 2026 को सामूहिक विवाह का आयोजन किया जायेगा। जिले में निर्देश दिये गये है कि सामूहिक विवाह का आयोजन नगरीय और ग्रामीण निकायों में किया जाये। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के संयुक्त संचालक श्री पवन चौहान ने बताया कि योजना में निहित मापदण्ड के अनुसार योजनान्तर्गत न्यूनतम जोडों की संख्या 11 एवं अधिकतम 200 जोडों की संख्या निर्धारित की गई है। योजनान्तर्गत वधु को 49 हजार रुपये सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर किये जायेंगे तथा राशि 6 हजार रुपये प्रति जोडों के मान से आयोजनकर्ता निकाय को दिये जायेंगे। निर्देश दिये गये है कि कन्या अथवा कन्या के अभिभावक गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करते हो, राशन कार्ड बीपीएल पोर्टल पर अनिवार्य रूप से सत्यापित हो सुनिश्चित किया जाये।

72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का समापन समारोह

नया व्यापार सृजित करने पर मिलेगा इंसेंटिव : मंत्री सारंग

डिफाल्टर किसानों के लिए भी शुरू होगी योजना, अपेक्स बैंक में ई-ऑफिस और सहकार-सेतु पोर्टल का शुभारंभ

रणजीत टाइम्स

भोपाल, निप्र। सहकारिता समितियों के माध्यम से समाज में काफी बदलाव आए हैं। आदमी की सबसे मूल आवश्यकता रोटी कपड़ा और मकान होती है जो कि आज के समय में सहकारिता के माध्यम से उसकी पूर्ति आदमी की जीवन हो रही है। पैक्स में नया व्यापार सृजित करने वाले कर्मचारी को इंसेंटिव देने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही डिफॉल्टर किसानों के लिये भी योजना लाई जा रही है। इस तरह की योजना बनाई जा रही है कि सोसायटी में कुछ गडबड़ी पर भी किसानों पर असर नहीं हो।

यह बात सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अपेक्स बैंक के समन्वय भवन में आयोजित 72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन समारोह में कही। समारोह में 'परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने' विषयक पर चर्चा की गई। मंत्री सारंग ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले सहकारी बैंकों और पैक्स को सम्मानित किया। उन्होंने अपेक्स बैंक में ई-ऑफिस तथा सहकार-सेतु पोर्टल का शुभारंभ किया।

कम्प्यूटराईजेशन से प्रक्रिया होगी पारदर्शी : मंत्री सारंग ने कहा कि राज्य सरकार सहकारी आंदोलन के हर आयाम को मजबूती के साथ स्थापित कर रही है। कम्प्यूटराईजेशन के माध्यम से पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने का काम कर रही है। ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था के माध्यम से सहकारी आंदोलन मजबूत होगा और सहकारिता के माध्यम से रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सीपीपीपी के माध्यम से हर पैक्स को कॉरपोरेट के साथ जोड़कर नये आयाम स्थापित किये जा रहे है। इससे पैक्स के साथ ही किसानों को भी लाभ मिलेगा। पैक्स को फायदे के साथ कर्मचारी को भी लाभ दिलवाने का काम किया जायेगा।

सम्मान एवं पुरस्कार : समारोह में प्रदेश के 3 उत्तम जिला बैंकों पुरस्कृत किया गया। इसमें प्रथम पुरस्कार जिला बैंक विदिशा, द्वितीय पुरस्कार जिला बैंक खरगोन तथा तृतीय पुरस्कार जिला बैंक रतलाम को एक लाख एक हजार रुपये का चेक मुख्य कार्यपालन अधिकारी आलोक कुमार जैन ने प्राप्त किया। पैक्स का शत प्रतिशत अंकेक्षण पूर्ण करने वाले प्रथम 3 जिलों में खरगोन, मंडला और सीहोर को एक-एक लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। ई-पैक्स को सफल क्रियान्वयन करने वाली पैक्स सिरलाय (खरगोन), मनेरी (बालाघाट) और गोविंदपुर (सतना) को भी सम्मानित किया गया। समारोह में बेंचमार्किंग के आधार प्रथम 3 नागरिक सहकारी बैंक मंदसौर, उज्जैन और इंदौर को भी पुरस्कृत किया गया।

सहकारिता को जमीनी स्तर तक ले जाना है

सहकारिता आयुक्त मनोज पुष्प ने कहा कि यह वर्ष अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया था। अब यह अंतिम पड़ाव पर है। इसका उद्देश्य सहकारिता को जमीनी स्तर पर पहुँचाना है। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में वक्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल, उप सचिव मनोज सिन्हा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अरूण माथुर सहित मध्यप्रदेश की सभी प्रादेशिक सहकारी संस्थाओं एवं सहकारी बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समापन समारोह में मध्यप्रदेश में सहकारिता के विकास पर और अपेक्स बैंक बैकिंग नेटवर्क पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। शुरूआत में परिसर में सहकारी झंडा रोहण और सहकारी गान हुआ।

राज्य गंगा समिति में पांच विशेषज्ञ सदस्य नामांकित

भोपाल,निप्र। प्रदेश में प्रवाहित गंगा की सहायक नदियों में जल का सतत् पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करने एवं उनमें प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपशमन के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य गंगा समिति मध्यप्रदेश में 5 विशेषज्ञ सदस्य नामांकित किये गये है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में डॉ. अभय सक्सेना, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, म.प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल को विषय विशेषज्ञ प्रदूषण अनुश्रवण, कार्तिक सप्रे, समन्वयक, नर्मदा समग्र एनजीओ, भोपाल को नदी संरक्षण, प्रो. एस.पी. गौतम, पूर्व अध्यक्ष केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली को पर्यावरण संरक्षण, सुनील चतुर्वेदी, संचालक, विभावरी संस्थान को जल संरक्षण और डॉ, जे.पी. शुक्ला, से.नि. प्रिंसिपल साईंटिस्ट, सी.एस.आई.आर./ एमपी को वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट के लिए नामांकित किया गया है।

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य के लिए बीएलओ सुरेश वर्मा सम्मानित

रणजीत टाइम्स

भोपाल,निप्र। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) के अंतर्गत मध्यप्रदेश में भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में कार्य तीव्र गति से जारी है।

इसी क्रम में हुजूर 155 विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचन सुपरवाइजर मनीष यादव के कुशल निर्देशन एवं टीम के अथक प्रयासों से मतदान केंद्र क्रमांक-153 के बीएलओ द्वारा मात्र चार दिवस में 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया।

इस उत्कृष्ट और समयबद्ध कार्य को देखते हुए संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राम प्रताप सिंह जादौन द्वारा बीएलओ सुरेश वर्मा को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस में भोपाल चैप्टर होगा सम्मानित

पीआरएसआई में असाधारण योगदान के लिए जनसंपर्क विशेषज्ञ प्रकाश साकल्ले को मिलेगा राष्ट्रीय अवार्ड-2025

रणजीत टाइम्स

भोपाल,निप्र। 47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस का आयोजन आगामी 13 से 15 दिसंबर 2025 तक देहरादून में होगा। इस नेशनल कांफ्रेंस में भोपाल चैप्टर को जनसंचार एवं जन जागरुकता के 'सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम' आयोजित करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया ने अपने 2025 के अवार्ड की घोषणा कर दी है।

चैप्टर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने बताया कि देहरादून में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस की थीम ' सशक्त विकास : मूल्यों के संरक्षण के साथ - जनसंपर्क का विजन 2047 के संदर्भ में ' होगी। कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग मुद्दों पर केंद्रित व्याख्यानों का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान भोपाल चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी, सचिव डॉ. पंकज मिश्रा एवं कोषाध्यक्ष के.के. शुक्ला को सम्मानित किया जाएगा।

इसी क्रम में भोपाल चैप्टर के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रकाश साकल्ले (पूर्व अपर संचालक जनसंपर्क) को संस्था में असाधारण योगदान के लिए राष्ट्रीय अवार्ड-2025 से सम्मानित किया जाएगा।

गौरतलब है, पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया जनसम्पर्क एवं संचार के क्षेत्र में विभिन्न संगठनों में कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स की एक राष्ट्रीय स्तर की 70 वर्ष पुरानी संस्था है। इस संस्था के पूरे देश में अहमदाबाद, आइजोल, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चैन्नई, दिल्ली, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, रांची, सिंगरौली, शिमला, तिरुपति, वाराणसी, विशाखापत्तनम, जम्मू, अमरावती और वर्धा सहित 23 चैप्टर कार्यरत हैं।

शिवपुरी में बेरोकटोक चल रहे अवैध रेत के डंप, आबादी क्षेत्रों में धूल-धुएं से बढ़ी दुर्घटनाएं; प्रशासन मौन!

शिवपुरी। शिवपुरी जिला प्रशासन की कथित उदासीनता के चलते शहर के आबादी वाले क्षेत्रों में अवैध रेत और गिट्टी के डंप (पड़) बेरोकटोक संचालित हो रहे हैं, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था और नागरिकों का स्वास्थ्य दोनों गंभीर खतरे में हैं। ग्वालियर बायपास हो या गुना बायपास अथवा पुरानी शिवपुरी चौराहे के आसपास का क्षेत्र, शहर के चारों ओर घनी आबादी के बीच ये अवैध खनन सामग्री के डंप संचालित हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि मध्य प्रदेश शासन के इको-प्रमाणित नियमों या किसी भी वैध दस्तावेज के बिना ये डंप धड़ल्ले से चल रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन का इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं जा रहा है। यह समस्या न केवल अवैध खनन की है, बल्कि इन डंपों से सामग्री ढोने वाले ट्रैक्टर और डंपर शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार में फर्राटे मारते हुए निकलते हैं, जिससे हर वक्त दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है। इन वाहनों से उड़ने वाली दूधिया धूल की भारी मात्रा बाइक सवारों और राहगीरों की आँखों में धूल भरने का काम कर रही है, जिसके चलते सड़कों पर अचानक ब्रेक लगने और दुर्घटनाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस अनियंत्रित परिवहन के कारण शहर की ट्रैफिक व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमरा गई है। इस गंभीर विषय पर जब माइनिंग अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया जाता है, तो वे अक्सर फोन रिसीव करने से कतराते हैं, जो विभाग की जवाबदेही पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाता है। स्थानीय निवासियों और प्रभावित लोगों ने प्रशासन से तुरंत इन अवैध डंपों पर सख्त और निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की है, क्योंकि इन अवैध गतिविधियों ने शिवपुरी शहर की पूरी व्यवस्था को खराब करके रख दिया है और माइनिंग विभाग की कार्रवाई में कतराने की वजह क्या है, यह भी एक बड़ा सवाल है।

ऑपरेशन मुस्कानः बच्चों ने नाटक के माध्यम से दिया सुरक्षा और जागरूकता का संदेश

मध्य प्रदेश शासन द्वारा पुलिस विभाग के माध्यम से ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाया जा रहा है जिसमें आज राजगढ़ में पुलिस द्वारा नुक्कड नाटक का किया आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों ने की सहभागिता

दिलीप पाटीदार

राजगढ़ में 'ऑपरेशन मुस्कान' विशेष अभियान के तहत पुलिस विभाग के नेतृत्व में मॉडल स्कूल सरदारपुर के बच्चों ने 'मत छीनो बचपन हमारा' विषय पर एक मार्मिक नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन किया। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर के मार्गदर्शन में, एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार और थाना प्रभारी समीर पाटीदार की उपस्थिति में हुआ। जिसका उद्देश्य लोगों को बालिकाओं और बच्चों के साथ हो रहे शोषण, रूढ़िवादी परंपराओं और असामाजिक तत्वों के खतरों के प्रति जागरूक करना था। नया सवेरा टीम के बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि कैसे बालिकाओं को पड़ोसी और रिश्तेदारों से भी खतरा हो सकता है और कैसे पार्क जैसी सार्वजनिक जगहों पर भी अनजान व्यक्ति बच्चों का फायदा उठा सकते हैं। नाटक ने यह चौंकाने वाली सच्चाई सामने रखी कि आज बच्चे न तो घर पर पूरी तरह सुरक्षित हैं और न ही बाहर। नाटक का एक महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि बच्चों को सेल्फ-डिफेंस सिखाया जाना चाहिए और उन्हें अपने साथ हो रहे किसी भी गलत बर्ताव की जानकारी तुरंत अभिभावक या शिक्षक को देनी चाहिए। बच्चों ने नाटक के समापन पर 'आओ दादी आओ नानी' जैसे गीतों की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम के शुभारंभ में शिक्षिका प्रतिभा सिंह राजावत ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने 'ऑपरेशन मुस्कान' का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष के कई बच्चे अक्सर बहकावे में आकर भाग जाते हैं, लेकिन पुलिस ऐसे बच्चों को खोजकर उनके परिवार से पुनर्मिलन कराती है। पुलिस के साथ ही अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि वे जन्म से ही बच्चों को उनके अच्छे-बुरे के बारे में बताएं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखें और उनका पूरा ख्याल रखें ताकि वे किसी असामाजिक तत्व के संपर्क में न आएं।

20 वर्ष की सजा का प्रावधान

एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार ने 'ऑपरेशन मुस्कान' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस का प्रयास है कि हमारे बच्चे, खासकर बालिकाएं, सुरक्षित और खुश रहें। उन्होंने चेतावनी दी कि बालिकाओं को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले या उन्हें परेशान करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के साथ गलत कृत्य करने वालों के लिए 20 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। नाटक के समापन पर एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार ने नगरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम का संचालन दीपक जैन ने किया।

अगरतला के पार्षद की गांधीगिरी से बदल गई वार्ड की रंगत, इंदौर में ले रही हैं स्वच्छता की सीख

इंदौरः 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती'. त्रिपुरा की राजधानी अगरतला की महिला पार्षद सोमा मजूमदार इन पंक्तियों को चरितार्थ कर रही हैं. वे इन दिनों अपने वार्ड के रहवासियों के घरों की साफ-सफाई को लेकर चर्चा में हैं. देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की स्वच्छता से प्रभावित होकर सोमा मजूमदार यहां अध्ययन करने पहुंची हैं. स्वच्छता के लिए गांधीगिरी करने वाली सोमा ने अपने वार्ड में कचरा कलेक्शन के लिए हर महीने 60 रुपए की फीस भी रखी है।

वार्ड को स्वच्छ बनाने के लिए पार्षद को सहना पड़ा अपमान

अपने शहर को स्वच्छता रैंकिंग में लाने के लिए सभी वार्डों के हर घर में सफाई की चुनौती शायद पार्षदों से बेहतर कोई नहीं जानता होगा. वार्डों में कई लोग ऐसे भी होते हैं जो सफाई के महत्व को नहीं समझते और ऐसे ही लोगों की वजह से पूरे वार्ड में गंदगी फैली रहती है. ऐसी ही स्थिति का सामना कुछ साल पहले तक वार्ड नंबर 10 की पार्षद सोम मजूमदार देवनाथ को भी करना पड़ा था. सोमा ने अपने अपमान को नजरअंदाज किया और अपने वार्ड को साफ और स्वच्छ बनाया।

अपामनित होने के बाद भी खुद सफाई करने पहुंची गई पार्षद

सोमा बताती हैं कि वार्ड में सफाई की अपील करने पर उनके वार्ड के एक परिवार ने उनके साथ बदतमीजी की और कई अन्य लोगों को इस पहल से बुरा लगा. इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और वे अगले दिन खुद ही झाड़ू-पोंछा लेकर उस परिवार के घर में सफाई करने पहुंच गईं. एक पार्षद को इस तरह सफाई के लिए घर पर आना देखकर वार्ड के लोग आश्चर्यचकित रह गए. जिन लोगों ने उन्हें अपमानित किया था उन्हें भी अपनी गलती का एहसास हुआ नगर निगम के कर्मचारियों ने सोमा को सफाई करने से मना किया, लेकिन उन्होंने किसी की भी परवाह किए बिना सफाई की और उसे आगे भी जारी रखा. अब स्थिति यह है कि जहां सबसे ज्यादा गंदगी रहती थी, आज वो वार्ड सबसे ज्यादा स्वच्छ हो गया है. इतना ही नहीं अगरतला नगर निगम के कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए उन्होंने अपने वार्ड की तमाम नालियां साफ कराई. वार्ड में पानी इतना स्वच्छ हो गया कि वार्ड में बनने वाले घरों के निर्माण में उसी नालियों के पानी का उपयोग होने लगा।

सोमा ने बनाया है वार्ड का अपना रेवेन्यू मॉडल

अगरतला में इंदौर की तरह प्रभावी कचरा कलेक्शन सिस्टम नहीं है. लिहाजा सोमा मजूमदार ने अपने क्षेत्र की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को अपने साथ जोड़कर खुद का कचरा कलेक्शन सिस्टम विकसित किया है. वह बताती हैं कि उनके वार्ड के जो रहवासी घर-घर से कचरा कलेक्शन की सुविधा चाहते हैं। वह उनसे 60 रुपए महीना लेती हैं, जो रहवासी यह चार्ज देता है उनके घर स्व-सहायता समूह से जुड़ी दो-दो महिलाओं की टीम ट्राईसाईकिल में कचरा कलेक्शन के लिए पहुंचती हैं इससे बाकी लोग भी मोटिवेट होकर पैसे जमा करते हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारी तेज...

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े संगठनों ने की बोर्ड की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारी के तहत नई दिल्ली में प्री-बजट परामर्श बैठकों के 10 दौर पूरे कर लिए हैं। पिछले कुछ दिनों में हुई इन बैठकों में कृषि, एमएसएमई, पूंजी बाजार, विनिर्माण, सेवाएं और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इन परामर्शों के माध्यम से बजट से जुड़े सुझाव और

सेक्टर-विशिष्ट आवश्यकताओं पर व्यापक चर्चा की गई। प्रत्येक परामर्श में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के वरिष्ठ अधिकारी और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार शामिल हुए। विभिन्न संबंधित मंत्रालयों और विभागों के सचिव क्षेत्रवार चर्चा में शामिल हुए।

राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड स्थापित करने की मांग

पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ बैठक के दौरान सेक्टर की दीर्घकालिक वृद्धि के लिए राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड की स्थापना की मांग जोरदार तरीके से उठाई। सूत्रों के मुताबिक, उद्योग संगठनों ने कहा कि एक केंद्रीकृत बोर्ड से नीतिगत समन्वय मजबूत होगा और क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिल सकेगा।

हर क्षेत्र के विशेषज्ञों ने लिया भाग

इस शृंखला की शुरुआत प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ परामर्श से हुई, जिसके बाद किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके बाद के सत्रों में एमएसएमई, पूंजी बाजार, स्टार्टअप, विनिर्माण, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और आतिथ्य, और अंत में ट्रेड यूनियनों और श्रमिक संगठनों के हितधारकों ने भाग लिया।

हितधारकों ने अपनी सिफारिशें, चुनौतियां और अपेक्षाएं की पेश

इन बैठकों के दौरान, क्षेत्र के विशेषज्ञों और हितधारकों ने आगामी बजट के लिए अपनी सिफारिशें, चुनौतियां और अपेक्षाएं प्रस्तुत कीं। चर्चाएं आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, निवेश का माहौल, तकनीकी उन्नति, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता, श्रम कल्याण और सतत विकास पर केंद्रित रहीं।

सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने किया दावा

अगले तीन से पांच साल में दोगुना होगा भारत का निवेशक आधार

मुंबई, एजेंसी

सीआईआई फाइनेंसिग समिट के दौरान बोलते हुए सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत का अद्वितीय निवेशक आधार अगले तीन से पांच वर्षों में दोगुना होने की संभावना है क्योंकि इक्विटी भागीदारी मौजूदा समय में काफी कम है।

उन्होंने कहा कि घरेलू बचत के बड़े हिस्से को पूंजी बाजारों में लगाने के लिए लगातार आर्थिक विस्तार की जरूरत है। भारतीय परिवारों और घरेलू संस्थाओं के पास अब विदेशी पोर्टफोलियों निवेशकों (एफपीआई) की तुलना में सूचीबद्ध इक्विटी का बड़ा हिस्सा है और देश के लगभग 135 मिलियन अद्वितीय बाजार प्रतिभागी हैं।

घरेलू बाजार को लेकर जागरूकता जरूरी... उन्होने कहा कि हाल ही में सेबी ने एक सर्वेक्षण में पाया है कि 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं को प्रतिभूति बाजार की जानकारी है, लेकिन मौजूदा समय में केवल 9.5 प्रतिशत परिवार ही इसमें निवेश करते हैं। अन्य 22 प्रतिशत अगले 12 महीने में बाजार में प्रवेश करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति नियामकों, जारीकर्ताओं और मध्यस्थों पर पेशकशों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

वैश्विक अनिश्चितता और भारतीय बाजार

सेबी अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय पूंजी बाजारों को मजबूत घरेलू कारकों का समर्थन मिल रहा है, जिसमें घरेलू भागीदारी शामिल है। वहीं वैश्विक अनिश्चितताओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी बाजार में क्या होगा इस पर मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन चिंताएं बनी हुई है, जो जोखिम पैदा कर रही हैं। भारतीय बाजारों में देखें तो भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी निवेशक सुरक्षा के लिए मिलकर काम कर रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित सरकारी सहभागिता और कैपिटल मार्केट की वृद्धि निवेशकों में भारतीय बाजारों में विश्वास को बढ़ाती है। भारत की विकास गाथा को ठोस बुनियादी ढांचे, जनसांख्यिकी, प्रतिभाओं की एक विस्तृत शृंखला और निरंतर सार्वजनिक व निजी निवेश का समर्थन प्राप्त है। ये कारक, निवेशकों के विश्वास के साथ मिलकर, झटकों के विरुद्ध एक ढाल का काम करते हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले-

भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर

नई दिल्ली, (हि.स)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के असीमित अवसर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को

संबोधित कर रहे थे। उन?होंने कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। गोयल ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं, जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व शामिल हैं। इसी कार्यक्रम में इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत ने कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनियां यहां आकर बोली लगा सकती हैं।

मार्च 2026 तक रुपये में और गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रुपये में कमजोरी का रुझान आने वाले महीनों में और गहरा सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 तक रुपया धीरे-धीरे फिसलते हुए मनोवैज्ञानिक स्तर 90 प्रति डॉलर के करीब पहुंच सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपये की दिशा तय करने में बुनियादी और तकनीकी दोनों तरह के कारक अहम भूमिका निभाएंगे। बैंक का अनुमान है कि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों और वैश्विक कारकों को देखते हुए गिरावट का व्यापक रुझान जारी रहेगा। इससे अगले एक साल में मुद्रा पर और दबाव बन सकता है। इसमें कहा गया है कि तकनीकी दृष्टिकोण से, अगर भारतीय बाजारों में निरंतर इक्विटी प्रवाह होता है या भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में ठोस प्रगति होती है, तो घरेलू मुद्रा मजबूत हो सकती है। ऐसी स्थिति में रुपया 87.80 रुपये प्रति डॉलर की ओर बढ़ सकता है, जबकि 88.30 रुपये प्रति डॉलर व्यापारियों के लिए प्रमुख मध्यवर्ती समर्थन स्तर के रूप में कार्य करेगा।

आरबीआई उभरते जोखिमों पर सतर्क : गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक लगातार उभरते जोखिमों और बदलती आर्थिक परिस्थितियों पर करीबी नज़र रख रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को यह बात कही। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने संबोधन के दौरान मल्होत्रा ने बताया कि आरबीआई रुपये के किसी विशेष स्तर को लक्ष्य नहीं बनाता। उन्होंने कहा कि हाल में डॉलर के मुकाबले रुपये में आई गिरावट का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर डॉलर की बढ़ती मांग है, न कि किसी तरह का घरेलू हस्तक्षेप। गवर्नर ने यह भी भरोसा जताया कि जल्द ही भारत के कुछ बैंक विश्व के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली तेजी से सुदृढ़ हो रही है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता वित्तीय प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करना है।

मध्य प्रदेश में सब्जियों के दाम बेकाबू, शहडोल में भिंडी छू रहा सेंचुरी, महंगाई का तड़का

नवंबर का महीना चल रहा है और कड़ाके की ठंड भी पड़ रही है. इन दिनों हरी सब्जियों के बढ़े हुए दामों ने आम जनता की जेब ढीली कर दी है. अचानक ही सब्जियों के बढ़े हुए दामों से लोगों का हाल-बेहाल है. जिस सीजन में हरी सब्जियों की भरमार होती है, आखिर अचानक से सब्जियों के दाम कैसे बढ़ गए, आईए जानते हैं।

हरी सब्जियों के बढ़ गए दाम

इन दिनों हरी सब्जियों के दाम अचानक ही बड़े हुए हैं. जिससे आम जनता का हाल बेहाल है. सर्दियों के सीजन में काफी संख्या में हरी सब्जियां आती हैं, लेकिन इस बार सब्जियों के दाम काफी चढ़े हुए हैं. सब्जी खरीदने बाजार आए रिंकू तिवारी बताते हैं कि, ''अब तक तो काफी हरी सब्जियां मंडी में आने लगती हैं. लेकिन इन दिनों अचानक सब्जियों के दाम काफी हाई हो गए हैं जिससे आम इंसान को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. क्योंकि हर सब्जी काफी महंगी हो चुकी है. कुछ सब्जियों को छोड़ दें तो ज्यादातर सब्जी यहां 50 रुपए किलो पर ही है. जिससे रसोई का बजट बिगड़ गया है.''।

आसमान छू रहे सब्जियों के दाम

पिछले कई सालों से सब्जी बेचकर अपना घर परिवार चलाने वाले राम प्रताप साहू बताते हैं कि, ''वर्तमान में सब्जियों के दाम अचानक ही बढ़ गए हैं, इसका असर ये हुआ है कि जो ग्राहक हर दिन दो किलो से लेकर 5 किलो तक सब्जियों की खरीदी करते थे, वो ग्राहक भी अब एक पाव आधा किलो में आ गए हैं, अभी दो-तीन दिन पहले ही टमाटर अचानक से एक-दो दिन के लिए 80 प्रति किलो तक बिका है, लेकिन फिर एक दो दिन में ही दाम 20 तक दाम घट भी गए और अभी वर्तमान में खुले रेट में टमाटर 60 किलो बिक रहा है।

बदलते मौसम ने सब्जियों के दाम कर दिए हाई

आखिर अचानक ही हरी सब्जियों के दाम क्यों बढ़ गए, सब्जी व्यापारी अमित गुप्ता बताते हैं कि "इन दिनों सब्जी खाने वालों के लिए आलू प्याज ही एक बड़ा सहारा बने हुआ है, क्योंकि पिछले कई महीनों से आलू और प्याज के दाम स्थिर हैं. आलू जहां वर्तमान में खुले रेट में 25 रुपए किलो की दर से बिक रहा है, वहीं प्याज 20 रुपए प्रति किलो की दर से बिक रही है, इस बार आलू प्याज के दाम नहीं बढ़े हैं. लेकिन हरी सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं.

सब्जियों की क्वालिटी में गिरावट

पिछले कई सालों से सब्जियों की खेती करने वाले किसान राम सजीवन कचेर बताते हैं कि "अचानक से हरी सब्जियों के दाम बढ़ने की वजह ये है कि पिछले कुछ दिनों में जो बारिश हुई है, उससे मौसम में परिवर्तन हुआ है. उससे किसानों की सब्जियों की फसल में फर्क पड़ा है, सब्जियां भी अधिक मात्रा में और अच्छी क्वालिटी में आ नहीं रही हैं, जिससे सब्जियों के दाम बढ़े हुए हैं. एक तरह से कहा जाए तो लोकल सब्जियां भी उतनी मात्रा में आ नहीं पा रही हैं."।

सब्जी मंडी में बारिश का कहर

अचानक इस बदले हुए मौसम और बारिश की वजह से खेतों में पानी भर गया है. फसल पर तरह-तरह के कीटों का अटैक हुआ है. जिससे किसानों की फसल का नुकसान तो हुआ ही है, साथ ही जो किसान सुबह-सुबह अलग-अलग वैरायटी की कई सब्जियां लेकर आ जाते थे।

चंपारण के गांधी आश्रम में मौन

हार के बाद आत्मचिंतन करने बैठे प्रशांत किशोर

बेतिया, एजेंसी

हालिया चुनाव परिणामों के बाद आत्ममंथन की राह पर चल पड़े जन सुराज संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित ऐतिहासिक गांधी आश्रम में सुबह 11 बजे से एक दिन के मौन उपवास पर बैठ गए। यह वही आश्रम है जहां महात्मा गांधी ने सत्य, तपस्या और आत्मशुद्धि के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला रखी थी।

इसी प्रतीकात्मक स्थल को चुनकर पीके ने संकेत दिया है कि उनकी राजनीति आने वाले दिनों में और अधिक जन-केंद्रित और आत्ममंथन आधारित होगी। उपवास में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, वरिष्ठ नेता एवं भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे, जिलाध्यक्ष, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और पार्टी के कई कार्यकर्ता शामिल हुए। सूबे के विभिन्न जिलों से लगभग 50 से अधिक समर्थक और आसपास के गांवों से बड़ी

संख्या में ग्रामीण प्रशांत किशोर को देखने और समर्थन देने आश्रम पहुंचे। परिसर के बाहर लगभग 250 लोगों के ठहरने के लिए साधारण टेंट, बिछावन और कंबल की व्यवस्था की गई है। जन सुराज नेता व भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे ने चुनाव परिणामों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि कुछ दलों ने चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को आहत करते हुए वोट खरीदने का सहारा लिया।उन्होंने कहा जिस बिहार में गरीबी विकराल है, वहां गरीबों की मजबूरी का राजनीतिक सौदा किया गया।

यह बिहारियों की अस्मिता के खिलाफ है। प्रशांत किशोर जी ने ईमानदारी से राजनीति की, लेकिन लोकतंत्र में पैसों की ताकत हावी हो गई। पांडे ने कहा कि पीके गांधीवादी मूल्यों से प्रभावित हैं और इसलिए उन्होंने अपनी रणनीतियों एवं संवाद शैली की समीक्षा के लिए गांधी परंपरा के अनुसार मौन साधने का निर्णय लिया। रितेश पांडे ने आगे बताया कि चुनाव के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने फोन कर कहा कि वोट खरीदे गए, जिससे चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा भले ही हम एक भी सीट न जीत पाए हों, लेकिन जनता के मुद्दों जैसे बेरोजगारी, शिक्षा, पलायन पर लड़ाई जारी रहेगी। 10 हजार रुपये की मदद कुछ दिन चल सकती है, लेकिन नौकरी मिलेगी तो हर महीने घर में उम्मीद जगेगी। प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने स्वीकार किया कि पार्टी तीन वर्षों से लगातार गांव-गांव जाकर बिहार की असली समस्याओं को समझाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन या तो जनता तक संदेश नहीं पहुंच पाया या पार्टी खुद अपनी बात स्पष्ट रूप से नहीं समझा सकी। उन्होंने कहा यह मौन उपवास केवल पीके का नहीं, बल्कि पूरे संगठन का आत्ममंथन है।

स्वयं का मूल्यांकन करे: पीके

साधारण पंडाल और फर्श पर बिछे कंबल ही व्यवस्थाओं की तस्वीर बयां कर रहे हैं। उपवास के एक दिन पहले मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा था कि यह कार्यक्रम किसी प्रकार की राजनीतिक रैली या शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा जब आपका संदेश जनता तक अपेक्षित रूप से नहीं पहुंचता, तो नेतृत्व का धर्म है कि वह स्वयं का मूल्यांकन करे। यह उपवास मेरे लिए आत्ममंथन और जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। भितिहरवा गांधी आश्रम का चयन प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। गांधी ने यहीं पर स्वच्छता, शिक्षा, सत्य और सामाजिक सुधार की नींव रखी थी।

धमदाहा की आयरन लेडी, रिकॉर्ड जीत के साथ चौथी बार बनीं मंत्री

पूर्णिया, एजेंसी

पूर्णिया की राजनीति में धमदाहा विधानसभा क्षेत्र की जदयू विधायक लेशी सिंह का नाम संघर्ष और असाधारण दृढ़ता का पर्याय बन चुका है। लेशी सिंह ने न केवल राजनीतिक विरोधियों को लगातार पटखनी दी है, बल्कि जीवन के सबसे बड़े झंझावातों का भी डटकर मुकाबला किया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का मंत्री बनाकर, उनके बेजोड़ सफर को एक बार फिर सम्मान दिया गया है। कटिहार के गौआगाछी गांव में 5 जनवरी 1974

को जन्मी लेशी सिंह की शादी महज 16 वर्ष की उम्र में धमदाहा के सरसी गांव निवासी समता पार्टी के जिलाध्यक्ष मधुसूदन सिंह उर्फ बूटन सिंह से हुई थी। 1995 में पति के चुनाव हारने के बाद बूटन सिंह ने सियासी बागडोर लेशी सिंह के हाथों में सौंप दी। सियासी विरासत मिलते ही लेशी सिंह ने चमत्कार किया। साल 2000 में वह समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने में कामयाब रहीं और सीमांचल की राजनीति में उनकी धमाकेदार एंट्री हुई।

27 फरवरी को मिली जीत का जश्न अभी शुरू ही हुआ था कि 19 अप्रैल 2000 को उनके पति मधुसूदन सिंह उर्फ बूटन की हत्या कर दी गई। पति की हत्या के बाद लेशी सिंह ने हार नहीं मानी। समता पार्टी की जिलाध्यक्ष और उप सचेतक बनने के बाद 2005 में पार्टी के जदयू में विलय होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विश्वास जीता।

2006 में जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनीं

उनके उत्कृष्ट संगठन क्षमता और ज़मीनी पकड़ को देखते हुए उन्हें 2006 में जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 2 नवंबर 2007 को मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी, जहाँ उन्होंने राज्य भर में अपनी अलग पहचान बनाई।नवंबर 2005 में हुए मध्यावधि चुनाव में मामूली अंतर से मिली हार के बावजूद, वह क्षेत्र में डटी रहीं। इसका परिणाम 2010 के चुनाव में दिखा, जब उन्होंने 45 हजार से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की। वहीं 2015 के चुनाव 30,000 वोट, 2020 विजयी 33000 वोट से जीत दर्ज की।

रंजीत टाइम्स न्यूज़पेपर ने पूरे किए 10 वर्ष छात्र नेता शाहरुख पटेल ने दी हार्दिक शुभकामनाएँ

इंदौर। रंजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर छात्र नेता एवं श्री अरबिंदो विश्वविद्यालय, इंदौर के अध्यक्ष शाहरुख पटेल ने हार्दिक बधाई संदेश प्रेषित किया। शाहरुख पटेल ने कहा कि रंजीत टाइम्स ने पिछले एक दशक में निष्पक्ष पत्रकारिता, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और समाज की आवाज़ बनने का कार्य बखूबी निभाया है। उन्होंने न्यूज़पेपर की पूरी टीम को उज्जवल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने यह भी कहा कि रंजीत टाइम्स ने युवाओं, छात्रों और आम जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता दी है, जो सराहनीय है।

सेंट्रल जैल अधीक्षक अलका सोनकर, जी ने रणजीत टाइम्स को 10 वर्ष पूर्ण होने पर दी शुभकामनाएँ

जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने रंजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है और रंजीत टाइम्स ने पिछले एक दशक में जनहित से जुड़ी ख़बरों को निष्पक्षता के साथ जनता तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने भविष्य के लिए टीम को सफलता की शुभकामनाएँ दीं।

पूर्व राज्य मंत्री द्वारा रंजीत टाइम्स को 10 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

रंजीत टाइम्स द्वारा पिछले 10 वर्षों से समाज, जनहित, सामाजिक सरोकारों तथा सच्ची और निष्पक्ष खबरों को जनता तक पहुँचाने के कार्य की सराहना करते हुए पूर्व राज्य मंत्री ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि रंजीत टाइम्स ने सदैव पत्रकारिता की मर्यादा को प्राथमिकता दी है और आम लोगों की आवाज़ बनकर कार्य किया है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने यह भी कामना की कि आने वाले वर्षों में रंजीत टाइम्स इसी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ नए मापदंड स्थापित करता रहे और समाज को जागरूक करने की अपनी यात्रा को और भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ाए।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

थाना छत्रीपुरा पुलिस ने पकडा हथियारों का जखीरा, दे सकता था बडी बारदात को अंजाम

खुशबू श्रीवास्तव

थाना छत्रीपुरा पुलिस को मिली बडी सफलता 12 पिस्टल व दो जिंदा कारतूस जप्त मश्रुका की कीमत लगभग 7,20,000 के साथ एक आरोपी गिरफ्तार थाना छत्रीपुरा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग के दौरान खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति द्वारा अवैध हथियारों की तस्करी की जा रही है उक्त जानकारी से वरिष्ट अधिकारियों को सूचित कर जानकारी सत्यापित की गई। जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जिसके बाद टीम द्वारा इलाके की घेराबंदी की

गई तभी संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस को देख भागने की कोशिश की जिसके बाद आरोपी का पीछा कर उसे पकडा आरोपी की तलाशी की गई जिसमें एक पिस्टल उसकी कमर में जिसमे दो जिंदा कारतूस थे और ग्यारह पिस्टल उसके पास मौजूद सफर बैग से बरामद हुई। जिसके बाद थाना छत्रीपुरा पर अपराध क्रमांक 373/25 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर विधि अनुसार कार्यवाही करते हुए पुलिस आरोपी को हिरासत में लिया जाकर पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपीः- दीपक शर्मा पिता सुबोध शर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पोस्ट मुंडा खेड़ा तहसील खुर्जा जिला बुलंदशहर (उ. प्र.) उक्त सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक पवन नरवरे, प्र.आर. धर्मेंद्र पाठक, आर राजेंद्र, राजसिंह, रामराज रामहेत, अरुण, आरक्षक धर्मेंद्र,भूपेंद्र की प्रमुख भूमिका रही। इंदौर से संवाददाता विवेक सिंह की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अनूठी पहल, पर्यटन को मिली नई उड़ान

गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई 'पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा'

रणजीत टाइम्स

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनूठी पहल पर मध्यप्रदेश ने हवाई पर्यटन के क्षेत्र में एक गौरवशाली अध्याय आरंभ किया है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ कर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा' का संचालन गुरुवार, 20 नवंबर से विधिवत शुरू हो गया है। परंपरागत गाजे-बाजे, उत्साह, रंगों और स्थानीय जनता के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ यह सेवा शुरू हुई, जिसने पूरे प्रदेश में एक उत्सव जैसा माहौल बना दिया। यह सेवा अब नियमित रूप से संचालित होकर मध्यप्रदेश के पर्यटन को एक नई दिशा और तीव्र गति प्रदान करेगी।

पहली उड़ान : एक ऐतिहासिक पल : पहले दिन तीन सेक्टरों में शेड्यूल के अनुसार हेलीकाप्टर ने भोपाल से मढ़ई और मढ़ई से पचमढ़ी के लिए उड़ान भरी। इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर और जबलपुर से कान्हा तथा बांधवगढ़ के बीच

हेली सेवा संचालित हुई, जिसका जनप्रतिनिधियों और महंतों ने आनंद लिया।

पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि यह सेवा आध्यात्मिक, प्राकृतिक और वन्यजीव पर्यटन को एक तेज, सुगम और किफायती हवाई मार्ग प्रदान करेगी। यह नया हेली नेटवर्क न केवल यात्रियों का बहुमूल्य समय बचाएगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और निवेश को भी बढ़ावा देगा।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि 'पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा' प्रमुख धार्मिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और वन्यजीव स्थलों को जोड़ने का अभिनव प्रयास है।

भोपाल, इंदौर और जलबपुर से भरी पहली उड़ान

भोपाल से प्रकृति के आंचल में

भोपाल से मढ़ई के लिए सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया सिंह नारोलिया, प्रीति शुक्ला, योगेंद्र राजपूत और संदेश पुरोहित ने यात्रा की। मढ़ई से पचमढ़ी तक की उड़ान में इनके साथ पिपरिया विधायक ठाकुर दास नागवंशी और सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह भी जुड़े।

सेक्टरवार प्रमुख सुविधाएं

धार्मिक सेक्टर : इंदौर-उज्जैन 20 मिनट में, उज्जैन-ओंकारेश्वर 40 मिनट में, ओंकारेश्वर-इंदौर 25 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। **इको टूरिज्म सेक्टर :** भोपाल-मढ़ई-पचमढ़ी तक तेज कनेक्टिविटी। भोपाल-मढ़ई 40 मिनट में, मढ़ई-पचमढ़ी 20 मिनट में और सीधी उड़ान : भोपाल-पचमढ़ी 60 मिनट में होगी पूरी। **वाइल्डलाइफ़ सेक्टर :** जबलपुर-मैहर 60 मिनट में, मैहर-चित्रकूट 30 मिनट में, चित्रकूट-मैहर 30 मिनट में, जबलपुर-बांधवगढ़ 45 मिनट में और जबलपुर-अमरकंटक 60 मिनट में पहुंचा जा सकेगा।

इंदौर से पवित्र तीर्थों की यात्रा

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का इंदौर में भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। प्रथम चरण में इंदौर से उज्जैन स्थित बाबा महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा उज्जैन से ओंकारेश्वर तक हेलीकॉप्टर से धार्मिक यात्रा प्रारंभ हुई। बिचोली मर्दाना स्थित हेलीपैड से भक्ति भाव से परिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में यात्रियों का पहला दल रवाना हुआ। इसे जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने झंडी दिखाकर महाकाल की नगरी उज्जैन के लिए रवाना किया। सिलावट ने कहा कि यह पर्यटन सेवा धार्मिक पर्यटन का नया अध्याय है। यात्रियों के प्रथम दल में विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, सुमित मिश्रा, श्रवण चावड़ा, मीडिया कर्मी सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हुए। हेली सेवा से उज्जैन पहुंचने पर यात्रियों का पुष्पवर्षा से परंपरागत स्वागत किया गया। उज्जैन में आयोजित 10 मिनट की जॉय-राइड में महंत आनंद पुरी, महंत मंगल दास, महंत रामेश्वर गिरी और महंत डॉ. रामेश्वर दास जी सम्मिलित हुए। **जबलपुर से वन-संपदा तक :** जबलपुर के अनिल तिवारी और ओमनारायण दुबे ने कान्हा और बांधवगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता को निहारा। शेड्यूल के अनुसार जबलपुर से अमरकंटक की सेवा का संचालन 21 नवंबर से प्रारंभ होगा।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बैतूल पुलिस ने 9 करोड़ 84 लाख की साइबर लूट का किया पर्दाफाश

मृत व्यक्ति के बैंक खाते का दुरुपयोग करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रणजीत टाइम्स

बैतूल,निप्र। जिले में पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है। इस गिरोह ने विभिन्न खातों से 9,84,95,212 की हेराफेरी की थी। पुलिस और साइबर टीम द्वारा किए गए डिजिटल फॉरेंसिक, खातों की ट्रैकिंग और सतत निगरानी ने इस बड़े नेटवर्क को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मजदूर के खाते में करोड़ों का लेन-देन : खेड़ी सावलीगढ़ निवासी श्रमिक बिसराम इवने जब जन-धन खाते का केवायसी अपडेट कराने बैंक पहुंचे तो उन्हें करोड़ों के संदिग्ध लेन-देन का पता चला। उन्होंने तुरंत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत

दर्ज कराई। एसपी वीरेंद्र जैन और एएसपी कमला जोशी के निर्देशन में साइबर सेल और कोतवाली पुलिस की टीम जांच में लगाई गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जून 2025 से अब तक बिसराम के खाते से 1.50 करोड़ की अवैध ट्रांज़ैक्शन की गई थी।

7 खातों से कुल 9.84 करोड़ की साइबर ठगी

तफ्तीश में पता चला कि गिरोह ने एक ही बैंक के 7 खातों को निशाना बनाकर कुल 9.84 करोड़ से अधिक की हेराफेरी की। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इस साइबर गिरोह ने मृत व्यक्ति राजेश बर्डे के बैंक खाते का भी दुरुपयोग किया। गिरोह ने उसका मोबाइल नंबर बदला, नया एटीएम कार्ड जारी कराया फिर इंटरनेट बैंकिंग सक्रिय की और ओटीपी पर नियंत्रण हासिल कर खाता पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया।

तीन गिरफ्तार, डिजिटल उपकरण जब्त

सूचनाओं के आधार पर बैतूल पुलिस ने इंदौर के दो स्थानों पर छापे मारकर तीन आरोपियों राजा उर्फ आयुष चौहान, अंकित राजपूत और नरेंद्र सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया। पूरे अभियान में थाना प्रभारी, साइबर सेल और पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। पुलिस ने कहा है कि जन सुरक्षा और साइबर सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साइबर अपराधियों के खिलाफ व्यापक और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

बैंक के अस्थायी कर्मचारी की मिलीभगत

जांच में खुलासा हुआ कि पूरे नेटवर्क को बैंक के एक अस्थायी कर्मचारी की सहायता मिल रही थी। इसी कर्मचारी ने खातों की गोपनीय जानकारी दी, दस्तावेजों में हेरफेर किया जैसे एटीएम, पासबुक जारी कराने में मदद प्रदान की, जिससे अपराधियों को खातों तक आसान पहुँच मिल पाई।

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीन परिवारों को मिलेगा आवासीय भूमि का पट्टा

रणजीत टाइम्स

अभियान की हुई शुरुआत

भोपाल,निप्र। राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले भूमिहीन और आवासहीन परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टाधिकार प्रदान करने के लिए 20 नवम्बर गुरुवार से व्यापक अभियान शुरू किया है। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग संकेत भोंडवे ने बताया कि यह अभियान 13 दिसम्बर 2025 तक चलेगा। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा राजस्व विभाग ने संयुक्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत बीएलसी और एएचपी घटकों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने वर्ष 1984 के मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधिकार) अधिनियम में संशोधन करते हुए पात्रता तिथि को 31 दिसम्बर 2020 निर्धारित किया है। इस तिथि तक सरकारी, नगर निकाय या विकास प्राधिकरण की भूमि पर वास्तविक रूप से काबिज ऐसे आवासहीन परिवार पट्टाधिकार प्राप्त करने के पात्र होंगे।

राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य 20 नवम्बर से 13 दिसम्बर तक चलेगा। सूची 14 दिसम्बर को प्रकाशित की जाएगी। किसी भी आपत्ति या सुझाव के निराकरण के बाद 29 दिसम्बर को अंतिम सूची संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा जारी की जाएगी। यह सूची संबंधित जिला कार्यालय की वेबसाइट और विभागीय वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक जिले में सर्वेक्षण दल गठित किए जाएंगे, जिनमें राजस्व अधिकारी प्रमुख होंगे और सर्वेक्षण के दौरान आधार ई-केवायसी आधारित समग्र ड्डष्ठ अनिवार्य रहेगी।

टाटा डिजिटल में बड़े बदलाव की तैयारी, नए मुख्य कार्यकारी के आते ही आधे कर्मचारियों की छंटनी का संकट

नई दिल्ली। देश की बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस में छंटनी की चर्चा के बाद अब टाटा समूह की एक और डिजिटल इकाई टाटा डिजिटल में भारी हलचल मच गई है। कंपनी में सितंबर 2025 में नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त हुए साजिथ शिवनंदन ने आते ही ऐसा कड़ा कदम उठाने की तैयारी कर ली है, जिसने पूरे बाजार को चिंता में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार, टाटा की संयुक्त ऐप टाटा न्यू में कर्मचारियों की संख्या को 50 प्रतिशत तक घटाने की योजना बनाई जा रही है। यह कंपनी के भीतर तीसरी सबसे बड़ी रणनीतिक पुनर्व्यवस्था मानी जा रही है। साजिथ शिवनंदन, जो पहले जियो की मोबाइल डिजिटल सेवाओं के अध्यक्ष रह चुके हैं, 2019 में स्थापित टाटा डिजिटल के तीसरे मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। उनके पदभार संभालने के बाद कंपनी ने अपने कामकाज की दिशा और प्राथमिकताओं को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां टाटा न्यू में बिक्री आधारित तेज़ बढ़ोतरी पर जोर था, अब कंपनी इस मॉडल से हटकर पूरे टाटा समूह की डिजिटल इकाइयों को एक मंच पर लाने का काम कर रही है। इसी उद्देश्य से टाटा समूह ने टाइटन, आईएचसीएल, टाटा मोटर्स और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी बड़ी कंपनियों की डिजिटल गतिविधियों को एकजुट कर टाटा डिजिटल को एक मजबूत आंतरिक डिजिटल केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।